

17-5-18

पुत्रावली काण्ड के मूक कोर्ट ने 3 में पेश हुई पुत्रावली का  
प्रमाण पूर्वक आवेगोक्षण किया गया। राधकान्त रिवाज (पुत्रावली)  
के अनुसार श्रावणी मंदिर के मूर्ति स्त्री बाणजी महाराज के  
नाम से दत्त रिवाज है। वारी नं. 2 किरा है जिसके से  
वादपत्र मागे हैं स्पष्ट नहीं है। इस मंदिर की स्थापना  
मूर्ति के संबंध में वारी नं. 2 को कोई विधिक दायित्व  
नहीं बनना है कि वे प्रतिवादीगण को धारण करावे।  
अस्तुत वादपत्र आधारहीन होने से स्थापित किया जाना  
उचित व न्यायोचित प्रतिक्रिया नहीं है।

इससे

वादपत्र आधारहीन होने से स्थापित किया जाना है

पुत्रावली के संश्लेषण के कारण कठोर के काम होना  
कारणिक दायित्व है।

विषय काण्ड दिनांक 17-5-18 को कोर्ट के मूक में  
सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी  
नवसंभारवादी (स.स.)